COURSE :- MASTER OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE (MLIS)

PAPER :- 2ND

(INFORMATION SYSTEM & PROGRAMME)

TOPIC :- DESIDOC (Defense Scientific Information and Documentation Centre)

(डेसिडॉक)

उद्देश्य :- इस पाठ में डेसिडॉक के बारे में जानकारी प्रदान करना है I

PREPARED BY :- DINESH SINGH, CHIEF COORDINATOR, LIBRARY SCIENCE, NOU

डेसिडॉक

(Defence Scientific Information and Documentation Center : DESIDOC)

परिचय (Introduction) :

सूचना अनुसन्धान व विकास परियोजनाओं का अनिवार्य अंग है। सामरिक महत्व वाले क्षेत्र जैसे रक्षा अनुसन्धान एवं विकास में तो सूचना का महत्त्व और भी अधिक बढ़ जाता है क्योंकि यह शोध राष्ट्रीय सुरक्षा से सम्बन्धित है। वैज्ञानिकों को एक कार्यकुशल सूचना तन्त्र की आवश्यकता होती है क्योंकि शोध कार्यों में होने वाली पुनरावृत्ति को इसके द्वारा आसानी से रोका जा सकता है।

1948 में रक्षा संगठन बनाने के साथ ही शोध और विकास गतिविधियाँ प्रारम्भ हुईं। 1958 में इस संगठन को रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (DRDO = Defence Research and Development Organization) के रूप में मान्यता प्रदान की गई। यह संगठन सैन्य रक्षा सम्बन्धी नये हथियार और उपकरण बनाने व विकसित करने के लिए उत्तरदायी है। इसके प्रमुख रक्षामन्त्री के वैज्ञानिक सलाहकार होते हैं। 1958 में वैज्ञानिक सूचना ब्यूरो (SBI) बनने के साथ ही सूचना गतिविधियों में और वृद्धि हुई और अब अनुवाद व प्रकाशन होने लगा। इसी प्रकार 1967 में वैज्ञानिक सूचना ब्यूरो को मान्यता मिल गई तथा यही ब्यूरो डेसीडॉक के नाम से जाना जाने लगा।

1970 से डेसीडॉक स्वतन्त्र रूप से प्रतिरक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (DRDO) में एक संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है। इसका एक निदेशक है तथा यह मेटकाफ हाउस दिल्ली में स्थित है।

कार्य एवं उद्देश्य

(Functions and Objectives)

डेसीडॉक रक्षा अनुसन्धान व विकास संगठन की एक केन्द्रीय सूचना एजेन्सी के रूप में अनेक प्रकार के प्रकाशित व अप्रकाशित स्रोतों के वैज्ञानिक एवं प्राविधिक सूचना का संग्रह तथा अनेक प्रकार से इनका उपयोग करते हुये उन्हें अनेक स्वरूपों में प्रक्रियाबद्ध करता है। यह इस संगठन के संरक्षण में तकनीकी निदेशालय, प्रयोगशालाओं और संस्थाओं की गतिविधियों में सहयोग देता है। डेसीडॉक के घोषणा-पत्र में इसके निम्न कार्य बताये गये हैं—

1. तकनीकी सूचना व प्रलेखन केन्द्र के रूप में कार्य करना और देश की सभी रक्षा अनुसंधान व विकास प्रयोगशालाओं और संस्थाओं की आवश्यकता को एकत्रित करना।
2. रक्षा अनुसंधान व विकास से सम्बन्धित संस्थाओं के लिये तकनीकी सूचनाओं को एकत्रित करना, मिलान व प्रसार करना।
3. सभी विदेशी एवं भारतीय वैज्ञानिक व तकनीकी सूचनाओं को एकत्रित करना, मिलाना, प्रसार करना तथा सभी प्रतिवेदनों के निक्षेपागार रूप में कार्य करता है।
4. इन्सडॉक (INSDOC) व देश की सभी प्रकार की अन्य सेवाओं के साथ निकट सम्पर्क बनाये रखना।

5. विदेशी भाषाओं के साहित्य एवं प्रतिवेदनों को अनूदित करना और रक्षा शोध व विकास से सम्बन्धित वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाना।

इन कार्यों के अतिरिक्त डेसीडॉक के निम्न कार्य और हैं :

1. रक्षा अनुसंधान व विकास कार्यों में संलग्न वैज्ञानिकों की आवश्यकता की पूर्ति हेतु अद्यतन अनुसंधान व सन्दर्भ पुस्तकालय बनाये रखना।
2. रक्षा प्रयोगशालाओं व संस्थानों में वैज्ञानिकों को ग्रन्थ सूची प्रदान करना।
3. रक्षा अनुसंधान एवं विकास में लगे वैज्ञानिकों के लिये विशिष्ट विषयों का सार उपलब्ध करवाना।
4. वैज्ञानिकों व तकनीकी प्रलेखों को अन्य भाषा से अंग्रेजी में अनुवाद करना।
5. रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन एवं अन्य रक्षा संगठनों के पुस्तकालय व तकनीकी सूचना केन्द्रों को परामर्श सेवा प्रदान करना।
6. प्रलेखन विषय का प्रशिक्षण।

वर्तमान समय में डेसीडॉक रक्षा विज्ञान व तकनीक के लिये डेटा बैंक (Data Bank) व सूचना तन्त्र विकसित करने के लिये उत्तरदायी है। यह वैज्ञानिक सूचना में अनुसंधान व विकास कार्य तथा तकनीकी सूचना केन्द्रों और अन्य रक्षा संगठनों के लिये प्रशिक्षण व परामर्श सेवा भी प्रदान करने लगा। अब डेसीडॉक अनुवाद सेवा के साथ छाया अनुकृतिकरण सेवा (Reprography Services) भी प्रदान करता है।

डेसिडॉक की गतिविधियाँ

(Activities of DESIDOC)

डेसिडॉक की निम्न गतिविधियाँ हैं, जो इस प्रकार हैं :

1. चयनित प्रसार सेवा (Selective Dissemination Services-SDI) :

यह एक प्रकार की व्यक्तिगत सेवा है जो अनुसन्धानकर्त्ताओं तथा उच्चस्तरीय प्रबन्धकों को उनकी अभिरुचि एवं कार्यक्षेत्र के अनुसार प्रदान एवं आरोपित की जाती हैं। 15 प्रोफाइलों की कम्प्यूटर की सहायता से प्रस्तुत एस.डी.आई. सेवा का आयोजन वर्तमान में किया जा रहा है। अनुसन्धान एवं विकास के अनेक परियोजनाओं की पूर्ति की दृष्टि से प्रतिवर्ष 100 से अधिक प्रोफाइलों को प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाती है।

2. पेटेन्ट्स इन्फारमेशन एलर्ट :

अनुसन्धान एवं विकास कार्य के लिये पेटेन्टों को महत्त्वपूर्ण सूचना स्रोत माना गया है। इसे त्रैमासिक पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जाता है। जिसमें विदेशों व भारतीय पेटेन्टों का विवरण प्रदान किया जाता है।

3. डिफेन्स रिपोर्ट एब्स्ट्रेक्ट (Defence Report Abstract) :

किसी भी अनुसन्धान व विकास संगठन में प्राविधिक प्रतिवेदनों को प्राथमिक सूचना का महत्त्वपूर्ण स्रोत माना जाता है। इस दृष्टि से यह सारकरण पत्रिका अत्यधिक उपयोगी है तथा यह द्विभाषिक रूप में प्रकाशित हो रही है।

4. डेसिडॉक लिस्ट (DESIDOC List) :

यह अनुक्रमणीकरण की पाक्षिक पत्रिका है जिसके अन्तर्गत प्रतिरक्षा विज्ञान एवं अभिरुचि के प्रकरणों पर सामयिक पत्रिकाओं में जो लेख प्रकाशित होते हैं उनके उद्धरणों को प्रस्तुत किया जाता है।

5. प्रतिवेदनों का प्रस्तुतीकरण :

विशेषज्ञों तथा अन्य इस क्षेत्र से सम्बन्धित उपयोगकर्त्ताओं को जानकारी प्रदान करने हेतु डेसिडॉक निम्न प्रतिवेदन प्रकाशित करता है—

1. Deference Research and Development in Comings Decades.
2. Chinese Space Programme.

डेसीडॉक का संगठन

(Organization of DESIDOC)

अपने उद्देश्यों एवं कार्यों की पूर्ति हेतु डेसीडॉक को विभिन्न विभागों में बाँटा गया है। इन विभागों की गतिविधियों के क्षेत्र निम्नलिखित हैं :

1. पुस्तकालय विभाग (Library Department) :

रक्षा परियोजना के लिये सूचना एकत्रित करने हेतु प्रशिक्षित सूचना वैज्ञानिकों व नवीनतम सूचना स्रोतों का उपलब्ध होना आवश्यक है। इन आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु डेसीडॉक में पुस्तकालय स्थापित किया जिसे रक्षा विज्ञान पुस्तकालय के नाम से जाना जाता है। इसकी स्थापना डेसीडॉक से पहले 1948 में की थी। इसे रक्षा विज्ञान प्रयोगशाला के अन्तर्गत चलाया जाता था।

यह पुस्तकालय में रक्षा विज्ञान से सम्बन्धित शोध व विकास गतिविधियों की सूचना प्रदान करता है जहाँ 1948 में इस पुस्तकालय में 400 ग्रन्थ थे।

रक्षा विज्ञान के नवीन पाँच मंजिले भवन का उद्घाटन 2 अगस्त, 1988 को किया गया था। इस भवन में पत्रिकाओं के पिछले अंकों, सामयिक पत्रिकाओं एवं तकनीकी प्रतिवेदनों को विभिन्न मंजिलों पर व्यवस्थित किया गया।

(अ) संग्रह (Collection) :

इस ग्रन्थालय में रक्षा विज्ञान व प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे विमान विज्ञान, रॉकेट, प्रक्षेपणास्त्र, युद्ध सामग्री, विस्फोट सामग्री आदि का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है :

Books	48,375
Back Volumes	28,800
Technical Reports	53,100
Micro Documents	4,900
Reprints	17,000
Journals	735
Magnetic Tapes	15
Audio Cassettes	52
Video Cassettes	24

(ब) विशिष्ट संग्रह (Special Collection) :

रक्षा विज्ञान पुस्तकालय में जहाँ एक ओर पुराने सन्दर्भ ग्रन्थों का संग्रह है वहीं दूसरी ओर अद्यतन सन्दर्भ ग्रन्थों को भी संग्रहीत किया गया है। रक्षा विज्ञान पुस्तकालय में द्वितीय विश्व युद्ध के समय कुछ दुर्लभ प्रतिवेदनों का संग्रह उपलब्ध है। ये निम्न हैं :

- ब्रिटिश इन्टेलिजेन्स ऑब्जेक्टिव सब कमेटी (BIOS) प्रतिवेदन।
- कम्बाइण्ड इन्टेलिजेन्स आब्जेक्टिव सब कमेटी (CIOS) प्रतिवेदन।
- रॉयल ऐरोनोटिक इस्टेब्लिशमेन्ट (RAE) प्रतिवेदन।

रक्षा विज्ञान पुस्तकालय में वर्गीकरण हेतु यूडीसी. (UDC) तथा सूचीकरण हेतु ए.ए.सी.आर-II (AACR-II) का प्रयोग किया जाता है।

(स) अवाप्ति विभाग (Acquisition Section) :

इस विभाग द्वारा मात्र साहित्य का संग्रह किया जाता है। यह विभाग केन्द्रीय अधिग्रहण केन्द्र के रूप में भी कार्य करता है जो कि तकनीकी निदेशालयों के लिये भी वैज्ञानिक व तकनीकी ग्रन्थों व पत्रिकाओं व प्रतिवेदनों का अधिग्रहण करता है।

(द) सन्दर्भ सेवा विभाग (Reference Service Department) :

पुस्तकालय में सन्दर्भ ग्रन्थों का अद्यतन संग्रह है। इसमें निम्न सन्दर्भ ग्रन्थ प्रमुख हैं :

- कोलियर एन्साइक्लोपीडिया (24 खण्ड),
- आक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी,
- वर्क बुक इन्साइक्लोपीडिया (22 खण्ड)।

इनके अतिरिक्त बड़ी संख्या में विषय व भाषा के शब्दकोश, नक्शे, सम्मेलन कार्यवाही, शब्दकोश इत्यादि उपलब्ध होते हैं।

(य) तकनीकी विभाग (Technical Section) :

पुस्तकालय द्वारा प्राप्त सभी ग्रन्थों, प्रतिवेदनों व पत्रिकाओं को पाठकों तक शीघ्रतापूर्वक पहुँचाने के लिये यह विभाग उत्तरदायी होता है क्योंकि यही विभाग इसका वर्गीकरण एवं सूचीकरण का कार्य करता है।

2. प्रलेखन विभाग (Documentation Department) :

इस विभाग को 1986 में स्थापित किया गया था। अनुक्रमणीकरण, सारकरण, सूचना पुनः प्राप्ति और सामयिक अभिज्ञता सेवा भी डेसीडॉक की प्रमुख प्रलेखन गतिविधियाँ हैं। सामयिक अभिज्ञता सेवा के अन्तर्गत निम्न कार्य किये जा रहे हैं :

1. डेसीडॉक लिस्ट ऑफ करन्ट साइन्टिफिक लिट्रेचर (द्विमासिक) :

यह एक अनुक्रमणीकरण की द्विमासिक पत्रिका है जो अनुक्रमणीकरण सेवा प्रदान करती है। इसमें रक्षा, शोध एवं विकास से सम्बन्धित सन्दर्भ दिये होते हैं। प्रविष्टियों का व्यवस्थापन यूनिवर्सल डेसीमल वर्गीकरण (UDC) के अनुसार किया जाता है।

2. एस. डी. आई. बुलेटिन (SDI Bulletin) :

यह 16 शृंखला में प्रकाशित होती है इसमें रक्षा, अनुसंधान व विकास से सम्बन्धित विशिष्ट विषयों की जानकारी दी जाती है।

3. अनुवाद सेवा विभाग (Translation Service Department) :

यह फ्रेंच, जर्मन, जापानी व रूसी भाषाओं के प्रकाशनों के लिये अनुवाद सेवा प्रदान करता है। इन चारों भाषाओं में अनुवाद सेवा की बढ़ती हुई मांग को देखते हुये वहाँ अनुवादकों का एक पैनल बना लिया जाता है। यह 14 विदेशी भाषाओं का अंग्रेजी में अनुवाद रहा है। रक्षा, अनुसंधान एवं विकास संगठन के अलावा डेसीडॉक रक्षा मन्त्रालय के अन्य विभागों की भी अनुवाद आवश्यकता को एकत्रित करता है तथा यह अनुरोध करने पर अनुवाद सेवा प्रदान करता है। यह विदेशी भाषाओं में प्रकाशित रक्षा विज्ञान पत्रिकाओं की सूचना भी एकत्रित करता है। यह अंग्रेजी भाषा के सार भी तैयार करता है तथा उन्हें प्रकाशित करता है। इसने एक अनुवाद बैंक की स्थापना की है ताकि अनुवाद कार्यों में होने वाली द्विरावृत्ति को रोका जा सके।

4. छाया अनुकृतिकरण विभाग (Reprography Department) :

रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन के मुख्यालयों और प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिक व तकनीकी निदेशकों को छाया अनुकृतिकरण सेवा प्रदान करता है। यह सेवा निम्न क्षेत्रों में प्रदान की जाती है :

1. Printing and Enlargement
2. Slide Making and Projection
3. Microfilming
4. Document Lamination
5. Audio Vedio etc.

5. प्रकाशन विभाग (Publication Department) :

यह रक्षा अनुसंधान व विकास संस्थाओं द्वारा किये जाने वाले अनुसन्धान व विकास कार्यों के परिणामों को प्रसारित करने के लिये उत्तरदायी है। इसके द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिकायें निम्न हैं :

1. डिफेन्स साइन्स पत्रिका (त्रैमासिक) :

रक्षा अनुसन्धान के प्रारम्भिक लेख और विज्ञान के विभिन्न विषयों पर लेख आदि समाहित किये जाते हैं।

2. आर. एण्ड डी. डाइजेस्ट (द्विमासिक) :

यह रक्षा अनुसन्धान व विकास संस्थाओं व प्रयोगशालाओं की गतिविधियों के अतिरिक्त विभिन्न देशों में हो रहे नये शोधों व विकास कार्यक्रमों के बारे में सूचना प्रदान करता है।

3. आर. एण्ड डी. बुलेटिन (R & D Bulletin) :

यह एक वर्गीकृत प्रकाशन है। इसमें रक्षा अनुसन्धान और विकास को शोध विकास परियोजनाओं द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों का वर्णन होता है।

4. पापुलर साइन्स एण्ड प्रौद्योगिकी :

यह अर्द्ध वार्षिक प्रकाशन है। रक्षा विज्ञान विषय को सेवाओं एवं जन-सामान्य में प्रचारित करने हेतु इसके प्रत्येक अंक में सात एक ही विषय का संचित लेख प्रकशित किया जाता है।

6. कम्प्यूटराइज्ड सूचना तन्त्र (Computerised Information System) :

डेसीडॉक द्वारा प्रदान की जाने वाली सूचना सेवाओं को अधिक प्रभावी व उन्नत बनाने के लिये एक कम्प्यूटरीकृत सूचना तंत्र बनाया जा रहा है। इसने अपने क्रियाकलापों को कम्प्यूटरीकृत करने की व्यवस्था की है जो निम्न है—

1. सूचना का कम्प्यूटरीकरण :

दिल्ली स्थित DRDO में उपलब्ध 'प्राइम 750 स्टिम' के माध्यम से साफ्टवेयर (Software) को विकसित किया गया है। कम्प्यूटर के माध्यम से साफ्टवेयर तथा डेटाबेस में एस.डी.आई. (SDI) तथा पूर्वव्यापी सूचना सेवा का लाभ उठाया जाता है।

2. डी.आर. डी.ओ. सूचना पुनः प्राप्ति तन्त्र
(DRDO Information Retrieval System) :

पुस्तकालयों, प्राविधिक सूचना केन्द्रों तथा सभी प्रतिरक्षा अनुसन्धान प्रयोगशालाओं को कम्प्यूटरकृत सूचना नेटवर्क के रूप में संगठित करने की योजना तैयार कर चुका है।

3. रिप्रोग्राफी व विजवल एड (Reprography and Visual Aids) :

यह फोटो कॉपी प्रदान करने के लिए रिप्रोग्राफी सेवाओं का प्रचुर मात्रा में आयोजन करता है। इसके लिये माइक्रो फिल्म, फोटोग्राफी, फ़ोटोस्टेट तथा प्लेन पेपर कॉपीयर की मशीन का उपयोग किया जाता है।

7. प्रशिक्षण (Training) :

रक्षा अनुसन्धान व विकास प्रयोगशालाओं एवं संस्थाओं में तकनीकी सूचना केन्द्र में काम करने वाले कर्मचारियों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किये हैं।

अनुक्रमणीकरण (Indexing) :

डेसीडॉक सदैव अपने कर्मचारियों की अनुक्रमणीकरण की विभिन्न तकनीकों को प्रशिक्षण प्रदान करता है।

इसने 29 दिसम्बर, 1980 में 8 जनवरी, 1981 तक हैदराबाद में पद कार्यक्रम आयोजित किया तथा कई कर्मचारियों को इससे लाभ प्राप्त हुआ।

1. .यह केन्द्र ग्रन्थालय सेवाओं व सूचना सेवाओं में कम्प्यूटर के उपयोग के बारे में समय-समय पर प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है।
2. प्रभावी तकनीकी प्रलेखन कार्यक्रम पर भी इस केन्द्र द्वारा 1965 में दिल्ली में प्रशिक्षण प्रदान किया।
3. छाया अनुकृतिकरण व तकनीकी फिल्मांकन पर 1983 में दिल्ली में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा 8 कर्मचारियों ने इस प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया।

8. यूनियन सूचीकरण (Union Catalogue) :

प्रतिरक्षा अनुसन्धान व विकास संगठन के पुस्तकालयों को सामग्रियों को सरलतापूर्वक जानने एवं प्राप्त करने के लिये उपकरण के रूप में संघ प्रतिभूतियों के मन्त्रालय एवं प्रकाशन का आयोजन कर रहा है। प्रतिरक्षा विज्ञान के पुस्तकालयों की शोध पत्रिकाओं की संघ सूची "List of holding of Periodicals in the Defence Science Library" प्रकाशित की जा चुकी है।

वर्तमान समय में किसी भी देश की उन्नति में शोध व विकास परियोजना एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है। लेकिन यह योजनाएँ तभी सुचारु रूप में चल सकती हैं जबकि एक सुव्यवस्थित सूचना तन्त्र उपलब्ध हो जो प्रलेख के किसी भी कोने में उपलब्ध सूचना को वैज्ञानिकों तक पहुँचाया जा सके।

भारत में स्थित डेसीडॉक एक ऐसी संस्था है जो रक्षा विज्ञान से सम्बन्धित सूचना को हमारे वैज्ञानिकों तक पहुँचाती है। डेसीडॉक द्वारा प्रदान की जाने वाली सूचना अद्यतन होती है ताकि शोध व विकास गतिविधियाँ सुचारु रूप से चल सकें। यह प्रकाशन, अनुवाद व छाया अनुकृतिकरण सेवा से लेकर कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने तक का कार्य करता है।